

S-1112

Total Pages : 2

Roll No.

MAJY-201

संहिता स्कन्ध

MA Jyotish (MAJY)

2nd Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours]

Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. संहिता ज्योतिष को परिभाषित करते हुए वृहत्संहितोक्त दैवज्ञ लक्षण का लेखन कीजिए।

2. वृष्टि विचार का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. गुरु, शुक्र, शनि, राहु एवं केतु का चार फल लिखिए।
4. वास्तु पुरुष की अवधारणा का प्रतिपादन कीजिए।
5. पिण्ड निर्माण एवं द्वार विन्यास का विश्लेषण कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ग्रहचार का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।
2. वृष्टि के कारकों का वर्णन कीजिए।
3. दकार्गल से क्या तात्पर्य है?
4. मेघ गर्भ लक्षण का प्रतिपादन कीजिए।
5. गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश मुहूर्त्त का लेखन कीजिए।
6. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक एवं आचार्यों का वर्णन करें।
7. अगस्त्य चार फल का लेखन कीजिए।
8. संहिता ज्योतिष पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।